निर्देश :– सभी प्रश्नों के अंक समान हैं एंव किसी भी प्रश्न के असत्य उत्तर के लिए ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं है।

(1) प्रकृतिस्थेषु भूतेषु वैद्यवृत्तिः चतुर्विधा। – उपरोक्त सूत्र में 'प्रकृतिस्थेषु' का क्या अर्थ है। (च. सू. 9/26)
- (अ) आरोग्य
- (ब) मरण भाव
- (स) चिकित्सा
- (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(2) सुश्रुतानुसार आमाशयगत वात में 'षडधरण योग' का प्रयोग कितनी समयावधि तक करना चाहिए। (सु. चि. 4/3)
- (अ) सप्त दिन
- (ब) सप्त रात्रि
- (स) एक पक्ष
- (द) एक माह

(3) 'अरिष्ट' किसका पर्याय है ?
- (अ) निम्ब
- (ब) अरिष्टक
- (स) वत्सनाभ
- (द) कुचला

(4) 'तिन्दुक' किसका पर्याय है ?
- (अ) कर्ष
- (ब) पल
- (स) शाण
- (द) शुक्ति

(5) उग्रगंध युक्त पुराण घृत कितने वर्ष पुराना बतलाया गया है। (च. चि. 9/60)
- (अ) 1 वर्ष
- (ब) 10 वर्ष
- (स) 100 वर्ष
- (द) 100 से अधिक वर्ष

(6) दार्वीक्वाथसमं क्षीरं पादपक्वं यदा घनम्। तदा रसान्जनं ख्यातं तन्नेत्रयोः परमं हितम्।। – किसका कथन है।
- (अ) रस रत्न समुच्चय
- (ब) रस तरंगिणी
- (स) आयुर्वेद प्रकाश
- (द) रसकाम धेनु

(7) 'फेनोऽतिमात्रं' किसका लक्षण है। (सु. चि. 31/13)
- (अ) घृतपाक
- (ब) तैलपाक
- (स) संधान कल्पना
- (द) अवलेह सिद्धि

1. B	**2. B**	**3. A**	**4. A**	**5. B**	**6. C**	**7. B**

(8) 'सप्तदश लिंगम्' सूक्ष्म शरीर किसने वतलाया है।
- (अ) कणाद
- (ब) कपिल
- (स) जैमिनी
- (द) वेदव्यास

(9) चरकानुसार देवताडक के कल्प योग हैं ? (च. क. 2/3)
- (अ) 60
- (ब) 18
- (स) 45
- (द) 39

(10) 'दुन्दुभि' के द्वारा फैलता हैं ? (सु. क. 6/4)
- (अ) विष
- (ब) अगद
- (स) वायु
- (द) रोग

(11) जल शीतलीकरण की विधियॉ किसने बताई है। (सु. सू. 45/19)
- (अ) चरक
- (ब) सुश्रुत
- (स) अष्टांग हृदय
- (द) अष्टांग संग्रह

(12) 'गौरदण्ड' किसका पर्याय है ?
- (अ) चक्रमर्द
- (ब) गुन्जा
- (स) अपामार्ग
- (द) अर्जुन

(13) द्रव्यादापोत्थितात्तोये तत्पुनर्निशि संस्थितात्। कषायो योऽभिनिर्याति स ..... समुदाहृतः।। (च. सू. 4/6)
- (अ) शीतः
- (ब) फाण्टं
- (स) श्रृतं
- (द) हिमः

(14) कर्पूरगंधि शिलाजतु क्या है ?
- (अ) **Black Bitumen**
- (ब) **Potassium Nitrate**
- (स) **Mineral pitch**
- (द) **Iron Pyrite**

8. A	**9. D**	**10. B**	**11. B**	**12. C**	**13. A**	**14. B**

(15) 'पुष्पांजन' से क्या अर्थ ग्रहण करना चाहिए ?
- (अ) **Antimony sulphide (Sb_2S_3)**
- (ब) **Lead sulphide (PbS)**
- (स) **Lead oxide (PbO)**
- (द) **Zinc oxide (ZnO)**

(16) काश्यप के अनुसार मूक, पंगु और जड बालकों में कौनसा घृत प्रयोग करते हैं ? (का. सू. 1 लेहाध्याय)
- (अ) कल्याणक घृत
- (ब) पंचेन्द्रिय घृत
- (स) अभय घृत
- (द) संवर्धन घृत

(17) 'कोकिला गुटिका' का प्रयोग किस रोग में बताया गया है ? (का. चि. 13 ककूणक चिकित्सा)
- (अ) अक्षिरोग
- (ब) कर्णरोग
- (स) मुखरोग
- (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(18) सुश्रुतानुसार क्षीर विष की संख्या हैं ? (सु. क. 2/5)
- (अ) 2
- (ब) 3
- (स) 4
- (द) 5

(19) 'ग्रीवास्तम्भ' किस विष के सेवन का लक्षण है। (सु. क. 2/12)
- (अ) वत्सनाभ
- (ब) कालकूट
- (स) मुस्तक
- (द) श्रृगीविष

(20) बालचिकित्सा में गर्भोपक्रम विज्ञान, सूतिकोपक्रम एंव बालरोग शमन का समावेश कौनसे आचार्य ने किया है।
- (अ) काश्यप
- (ब) चरक
- (स) हारीत
- (द) सुश्रुत

(21) स्नेहार्थ आश्चयोतन की मात्रा होती है ? (सु. उ. 18/46)
- (अ) 6 बूँद
- (ब) 8 बूँद
- (स) 10 बूँद
- (द) 12 बूँद

15. D	**16. D**	**17. A**	**18. B**	**19. A**	**20. C**	**21. C**

(22) 'अन्यतोवात' है ? (सु. उ. 6/27)
- (अ) नेत्ररोग
- (ब) नासारोग
- (स) कर्णरोग
- (द) शिरोरोग

(23) सुश्रुतानुसार 'दीप्त' है। (सु. उ. 23/8)
- (अ) नेत्ररोग
- (ब) नासारोग
- (स) कर्णरोग
- (द) शिरोरोग

(24) काश्यपानुसार कोष्ठांग की संख्या है ? (का. शा. 4 शरीर विचय शारीर अध्याय)
- (अ) 8
- (ब) 10
- (स) 13
- (द) 15

(25) 'तारावट्ट' किसका भेद है ?
- (अ) मुण्डलोह
- (ब) कान्तलोह
- (स) तीक्ष्णलोह
- (द) मण्डूर

(26) काश्यपानुसार दुष्प्रजाता रोगों की संख्या होती है ? (का. चि. 3 दुष्प्रजाता चिकित्सा अध्याय)
- (अ) 35
- (ब) 64
- (स) 20
- (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(27) काश्यपानुसार बालकों में वस्ति देने की वय है ? (का. सि. 1 राजपुत्रायां सिद्धि अध्याय)
- (अ) 1 मास तक अवस्था में
- (ब) जब बालक नीचे चलता फिरता हो तथा अन्न खाता हो।
- (स) जन्म से ही वस्ति दे सकते है।
- (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(28) सुश्रुतानुसार 25 वर्ष से कम आयु में उत्तर वस्ति की मात्रा कितनी होती है ? (सु. चि. 37/102)
- (अ) 1 प्रकुंच
- (ब) 1 प्रसृत
- (स) 1 शुक्ति
- (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

22. A	**23. B**	**24. C**	**25. C**	**26. B**	**27. B**	**28. D**

(29) मूर्च्छा, छर्दि, उर्ध्व निरीक्ष्य – किस ग्रह के लक्षण हैं ? (अ. ह्र. उ. 3/16)
(अ) स्कंद
(ब) स्कंदापस्मार
(स) नैगमेष
(द) पितृग्रह

(30) गर्भ में सर्वप्रथम शिर उत्पत्ति किस आचार्य ने मानी है। (सु. शा. 3/30)
(अ) शौनक
(ब) कृतवीर्य
(स) पाराशर
(द) मार्कण्डेय

(31) सुश्रुतानुसार रक्तज अर्श चिकित्सा है। (सु. चि. 6/16)
(अ) संशमन
(ब) विरेचन
(स) रक्तावसेचन
(द) श्रृंगबेरकुलत्थोपयोग

(32) निराग्नि स्वेद का निर्देश किन रोगों में है। (अ. ह्र. सू. 17/28)
(अ) पित्तावृत वात में
(ब) रक्तावृत वात में
(स) रक्त एवं पित्तावृत वात में
(द) मेद कफावृत्त वात में

(33) वात यदि कफ एंव पित्त दोनों से आवृत हो तो सर्वप्रथम किसकी चिकित्सा करना चाहिए है। (च. सू. 28/188)
(अ) वात की
(ब) पित्त की
(स) कफ की
(द) तीनों की एक चिकित्सा करनी चाहिए।

(34) हृदय, क्लोम कण्ठ और तालु आश्रित हिक्का कौनसा है ? (च. चि. 17/37)
(अ) अन्नजा हिक्का
(ब) यमला हिक्का
(स) व्यपेता हिक्का
(द) क्षुद्रा हिक्का

(35) 'अतिस्थूलता' का चिकित्सा सिद्वांन्त है। (च. सू. 21/20)
(अ) गुरू व संतर्पण
(ब) लघु व संतर्पण
(स) गुरू व अपतर्पण
(द) लघु व अवतर्पण

29. C	**30. A**	**31. A**	**32. D**	**33. B**	**34. D**	**35. C**

(36) 'शिरो न धारयति' बालक में होने वाले कौनसे रोग का लक्षण है ? (का. सू. 25 वेदना अध्याय)
(अ) अलसक
(ब) छर्दि
(स) तालुकंटक
(द) बालग्रह

(37) चरकानुसार कर्ण रोगों की संख्या हैं ? (च. सू. 19/5)
(अ) 4
(ब) 18
(स) 25
(द) 28

(38) 'गोतीर्थक' का सम्बन्ध किससे है। (सु. चि. 8/10)
(अ) अर्श
(ब) भगन्दर
(स) अश्मरी
(द) काण्ड भग्न

(39) उर्ध्वबाहुशिरः पादो योनिमुखं निरूणद्धि – कौनसा मूढगर्भ है ? (सु. नि. 8/5)
(अ) कीलक
(ब) प्रतिखुर
(स) बीजक
(द) परिघ

(40) पक्षियों में विष के वेगों संख्या कितनी होती है। (च. चि. 23/21)
(अ) 2
(ब) 3
(स) 4
(द) 5

(41) संधि स्थान पर सीवन हेतु कौनसे प्रकार की सूची का प्रयोग किया जाता है ? (सु. सू. 25/23)
(अ) वृतांगुल द्वयम
(ब) त्र्यंगुला त्र्यस्रा
(स) धर्नुवक्रा
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

(42) क्षिप्र मर्म के बारे में कौनसा कथन सत्य है ? (सु. शा. 6/10 & 31)
(अ) सद्यःप्राणहर एवं 2 अंगुल प्रमाण मर्म
(ब) कालांतर प्राणहर एवं 1 अंगुल प्रमाण मर्म
(स) सद्यःप्राणहर एवं 1 अंगुल प्रमाण मर्म
(द) कालांतर प्राणहर एवं ½ अंगुल प्रमाण मर्म

36. A	**37. A**	**38. B**	**39. A**	**40. B**	**41. A**	**42. D**

(43) नेत्रबुदबुदम् प्रमाण होता है ? (सु. उ. 1/10)
- (अ) 2 अंगुल
- (ब) 2½ अंगुल
- (स) 3 अंगुल
- (द) 4 अंगुल

(44) संक्षोभ और अतिविद्यट्टन – से कौनसा स्रोत्रस् दुष्ट होते है। (च. वि. 5/17)
- (अ) मांसवह
- (ब) मज्जावह
- (स) अस्थिवह
- (द) रक्तवह

(45) स्वर्णमाक्षिक के रासायनिक संगठन में शामिल है ?
- (अ) **Cu**
- (ब) **Fe**
- (स) **S**
- (द) उपरोक्त सभी

(46) प्रवाल चूर्ण का प्रयोग कौनसे मूत्रकृच्छ्र चिकित्सा में होता है। (च. चि. 26/56)
- (अ) वातज मूत्रकृच्छ्र
- (ब) पित्तज मूत्रकृच्छ्र
- (स) कफज मूत्रकृच्छ्र
- (द) त्रिदोषज मूत्रकृच्छ्र

(47) 'अर्न्तमृतगर्भ' का लक्षण है। (सु. नि. 8/12)
- (अ) गर्भास्पन्दनम्
- (ब) उच्छ्वासपूतित्वं
- (स) श्यावपाण्डुता
- (द) उपर्युक्त सभी

(48) ***Callicarpa macrophylla*** किसका वानस्पतिक नाम हैं ?
- (अ) मुस्तक
- (ब) पुन्नाग
- (स) चिन्चा
- (द) प्रियंगु

(49) **Leguminaceae** कुल की वनस्पति हैं।
- (अ) शमी
- (ब) पाटला
- (स) सहदेवी
- (द) सारिवा

43. B	**44. C**	**45. D**	**46. C**	**47. D**	**48. D**	**49. A**

(50) 'उपशीर्षक' का वर्णन किस आचार्य ने किया है ? (अ. हृ. 23/21)
- (अ) चरक
- (ब) सुश्रुत
- (स) वाग्भट्ट
- (द) शांरग्धर

(51) वाग्भट्टानुसार पिल्ल रोगों की संख्या हैं ? (अ. हृ. 16/44–45)
- (अ) 23
- (ब) 18
- (स) 36
- (द) 21

(52) करणं पुनः स्वाभाविकानां द्रव्याणाभि . .....। (च. वि. 1/23)
- (अ) संस्कार
- (ब) संहितीभाव
- (स) सात्म्यापेक्षः
- (द) जीर्णलक्षणापेक्षः

(53) चरकानुसार कीट के प्रकार होते है। (च. चि. 23/140)
- (अ) 2
- (ब) 4
- (स) 5
- (द) 8

(54) सुश्रुतानुसार नेत्र मण्डलों, संधियों ओर पटलों की संख्या क्रमशः कितनी है ? (सु. उ 1/14)
- (अ) पंच षट् च षडेव च
- (ब) पंच, च षट् षडेव, च
- (स) पंच च पंच, षडेव च
- (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(55) चरकानुसार अलजी और विद्रधि का स्थान कौन सी त्वचा है ? (च. शा. 7/4)
- (अ) षष्ठी
- (ब) पंचनी
- (स) चतुर्थी
- (द) तृतीया

(56) 'अपलाप' कौनसी मर्म है। (सु. शा. 6/7)
- (अ) मांसमर्म
- (ब) सिरामर्म
- (स) स्नायुमर्म
- (द) संधिमर्म

50. C	**51. B**	**52. A**	**53. A**	**54. A**	**55. B**	**56. B**

(57) मधु का निषेध किसमें है ? (का. क. 9 विशेषकल्पाध्याय)
(अ) प्रमेह
(ब) प्रमेहपिडिका
(स) मधुमेह
(द) सन्निपातज ज्वर

(58) अर्म हैं। (सु. उ. 8/6)
(अ) छेद्य व्याधि
(ब) भेद्य व्याधि
(स) लेख्य व्याधि
(द) वेध्य व्याधि

(59) स्मृति कारण होते हैं ? (च. शा. 1/149)
(अ) 6
(ब) 7
(स) 8
(द) 9

(60) कुपथ्य से विकृत, पथ्य से सम रहने वाली अग्नि हैं। (च. वि. 6/12)
(अ) विषमाग्नि
(ब) तीक्ष्णाग्नि
(स) मंदाग्नि
(द) समाग्नि

(61) 'यकृत' कौन सा गर्भोत्पादक भाव है ? (च. शा. 3/6)
(अ) पितृज
(ब) मातृज
(स) रसज
(द) सत्वज

(62) गर्भोत्पादक भाव किसके 'स्थिर भाव' किसके होते है ? (सु. शा. 3/31)
(अ) पितृज
(ब) मातृज
(स) रसज
(द) सत्वज

(63) चोट या उपहति पर भारतीय दण्ड संहिता की कौनसी धारा लागू होती है।
(अ) **IPC 319**
(ब) **IPC 320**
(स) **IPC 316**
(द) **IPC 197**

57. D	**58. A**	**59. C**	**60. D**	**61. B**	**62. A**	**63. A**

(64) अर्दिताकृति करणं च व्याधेः – किस व्याधि का पूर्वरुप है ? (च. नि. 7/6)
(अ) उन्माद
(ब) हनुमोक्ष
(स) अर्दित
(द) पक्षाघात

(65) अष्ठीलावत्ततो जिह्वा भवत्यरसवेदिनी – किसका लक्षण है ? (सु. क. 1/38)
(अ) अर्दित
(ब) सविष अन्न
(स) जलसंत्रास
(द) अष्ठलिका शूकदोष

(66) सुश्रुतानुसार 'रकसा' है ? (सु. नि. 5/15)
(अ) महाकुष्ठ
(ब) क्षुद्रकुष्ठ
(स) किलास
(द) उपरोक्त सभी

(67) यथोचितकालादर्शनमल्पता वा योनिवेदना च – किसका लक्षण है। (सु. सू. 15/16)
(अ) असृग्दर
(ब) नष्टार्तव
(स) आर्त्तव वृद्धि
(द) आर्त्तव क्षय

(68) अस्पन्दन किसका लक्षण है। (च. शा. 8/26)
(अ) वाताभिपन्न गर्भ
(ब) उपविष्टक
(स) नागोदर
(द) लीन गर्भ

(69) दार्वी सुराह्वां त्रिफलां समुस्तां कषायमुत्क्वाथ्य पिबेत – किसकी चिकित्सा है। (च. चि. 6/54)
(अ) कुष्ठ
(ब) प्रमेह
(स) पाण्डु
(द) गुल्म

(70) ग्रीवा में स्नायु की संख्या है ? (सु. शा. 5/37)
(अ) 36
(ब) 34
(स) 70
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

64. A	**65. B**	**66. B**	**67. D**	**68. C**	**69. B**	**70. A**

(71) रोमराजी भवेत् निम्ना – कौनसी संतान उत्पत्ति का लक्षण है। (सु. शा. 3/32 की डल्हण टीका)
(अ) यमक
(ब) नपुंसक
(स) पुत्र
(द) कन्या

(72) अथर्वणकृता व्याधि है ? (सु. सू. 24/8)
(अ) आदिबल प्रवृत्त
(ब) जन्मबल प्रवृत्त
(स) दैवबल प्रवृत्त
(द) कालबल प्रवृत्त

(73) चरकानुसार 'द्वाद्वश प्रासृतिकी निरूह वस्ति' में कषाय की मात्रा कितनी होती है ? (च. सि. 3/30)
(अ) 3 प्रसृत
(ब) 4 प्रसृत
(स) 5 प्रसृत
(द) 6 प्रसृत

(74) स्मृतिबुद्धिप्रमोहं च जयेच्छीघ्रं ..... (च. चि. 1/पाद 1/134)
(अ) मण्डूकपर्णी
(ब) हरीतकी
(स) शंखपुष्पी
(द) पिप्पली रसायन

(75) सुस्वादु वृष्यं हृद्यं त्रिदोषनुत् – कौनसा लवण है। (अ. हृ. सू. 6/144)
(अ) सैंधव
(ब) सौवर्चल
(स) औदभिद्
(द) सामुद्र

(76) 'सप्तविध' आहार कल्पना का वर्णन किस आचार्य ने किया है ? (अं. सं. सू 10/4)
(अ) चरक
(ब) सुश्रुत
(स) अष्टांग संग्रह
(द) काश्यप

(77) आचार्य वृद्ध वाग्भट्ट ने 'सर्वार्थसिद्ध अंजन' का प्रयोग किसमें बतलाया है। (अ. सं. सू 8/91)
(अ) विषापह
(ब) तिमिर
(स) अभिष्यंद
(द) सर्व नेत्ररोग

71. A	**72. C**	**73. C**	**74. B**	**75. A**	**76. C**	**77. A**

(78) महर्षि पाराशर के अनुसार 'तिक्त एंव कषाय' रस का विपाक होता है। (अं. सं. सू 17/19)

(अ) मधुर
(ब) अम्ल
(स) कटु
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(79) अष्टांग संग्रहकार ने उष्म स्वेद के अतंगर्त कितने स्वेदों का वर्णन किया है ? (अ. सू. 26/7)

(अ) 4
(ब) 13
(स) 7
(द) 8

(80) The normal oxygen concentration in arterial blood is about -

(A) 20 ml O_2/100 ml blood (0.2 ml O_2/ml blood)
(B) 30 ml O_2/100 ml blood (0.3 ml O_2/ml blood)
(C) 1.5 ml O_2/100 ml blood (0.015 ml O_2/ml blood)
(D) 16 ml O_2/100 ml blood (0.16 ml O_2/ml blood)

----------X----------X----------

78. A	**79. D**	**80. A**				